## सीने में दर्द हो

इस आयत को 41 बार पढ़कर ज़मज़म के पानी में दम करें, और उसे मरीज़ को पिलाएं-

وَيَشَفِ صَلَاوُمَ وَيَشَفِ صَلَاوُمَ وَيَرَافُومَ وَمِنْ اللهُ وَمَنَ وَمُ اللَّهُ وَمُنْ اللَّهُ وَمُ اللَّهُ وَمُوالِمُ اللَّهُ اللَّهُ وَمُؤْمِنُهُ إِنَّ اللَّهُ اللَّا اللَّهُ اللَّا اللَّهُ اللَّا اللَّالِي اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّاللَّ اللّل

व यश्फि सुदू-र कौमिम्मुअ्मिनीन॰ (सूरः तौबा, 14)

तर्जुमा:- "और (अल्लाह) मोमिन लोगों के सीनों को शिफ़ा देगा।"